EDITOR'S SCATVIEW

Manoj Kumar Madhavan

The Broadcasting Bill consultation has been extended up to mid-January to ascertain the views of the majority of the stakeholders. K. Madhavan, who is also the chief of Disney Star, was recently re-elected as the president of the Indian Broadcasting & Digital Foundation (IBDF) for the third time expressed concerns about the draft Broadcasting Services Regulation Bill (BSRB) put out by the Ministry of Information & Broadcasting (MIB) for public consultation and its impact on creative freedom. IBDF feels there is a need to introduce a national policy on media and entertainment for the enhancement of the broadcasting industry, which would allow for more efficient functioning and monitoring of the industry, benefitting both industry participants as well as regulatory bodies. There needs to be a wider range of consultation to ensure an equitable bill.

Reliance – Disney deal is likely to go through as per recent reports and both entities are finalising a non-binding term sheet to propel forward their plans for a merger, potentially establishing the largest media and entertainment conglomerate in the country. The proposed strategy revolves around the creation of a subsidiary under RIL's Viacom18, aimed at incorporating Star India via a stock swap. In this arrangement, Reliance seeks a controlling interest in the merged enterprise, aiming for a majority stake of at least 51%, leaving Disney with a residual 49%. The deal is expected to involve a significant cash component from RIL to secure this controlling interest. A substantial injection of immediate capital, anticipated to range between $1-1.5 billion

Sony – Zee merger deadline is approaching and is stuck on a point of who will lead the new entity. Sony has pushed its India head NP Singh as the CEO of the merged entity. Sony wants Singh to be at the helm saying that market regulator SEBI has yet not given a clean chit to Punit Goenka.

2024 will be interesting to watch and we can expect some dramatic changes in the media landscape.

Merry Christmas And A Happy New Year
To All The Readers

(Manoj Kumar Madhavan)

अधिकांश हितधारकों के विचारों को जानने के लिए प्रसारण विधेयक परामर्श को जनवरी के मध्य तक बढ़ा दिया गया है। के. माधवन, जो डिज्नी स्टार के प्रमुख भी हैं, को हालही में तीसरी बार इंडियन ब्रॉडकास्टिंग एंड डिजिटल फाउंडेशन (आईबीडीएफ) के अध्यक्ष के रूप में फिर से चुना गया है, उन्होंने सूचना व प्रसारण मंत्रालय (एमआईबी) द्वारा सार्व जनिक परामर्श के लिए रखे गये ब्रॉडकास्टिंग सर्विसेज रेगुलेशन बिल (बीएसआरबी) के मसौदे और रचनात्मक स्वतंत्रता पर इसके प्रभाव के बारे में चिंता व्यक्त की।

आईबीडीएफ को लगता है कि प्रसारण उद्योग को बढ़ाने के लिए मीडिया और मनोरंजन पर एक राष्ट्रीय नीति पेश करने की आवश्यकता है, जो उद्योग के अधिक कुशल कामकाज और निगरानी की अनुमति देगी, जिससे उद्योग प्रतिभागियों के साथ-साथ नियामक निकायों दोनों को लाभ होगा। एक न्यायसंगत बिल सुनिश्चित करने के लिए व्यापकस्तर पर परामर्श की आवश्यकता है।

*हाल की रिपोर्टों के अनुसार रिलायंस-डिज्नी सौदा होने की संभावना है और दोनों संस्थायें विलय की अपनी योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए एक गैर-बाध्यकारी टर्म शीट को अंतिम रूप दे रही हैं, जिससे संभावित रूप से देश में सबसे बड़ा मीडिया और मनोरंजन समूह स्थापित किया जा सकेगा। प्रस्तावित रणनीति आरआईएल की वायकॉम **18** के तहत एक सहायक कंपनी के निर्माण के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसका उद्देश्य स्टॉक स्वैप के माध्यम से स्टार इंडिया को शामिल करना है। इस व्यवस्था में रिलायंस विलय किये गये उद्यम में एक नियंत्रण हित चाहता है जिसका लक्ष्य कम से कम **51%** की बहुमत हिस्सेदारी है, जिससे डिज्नी के पास शेष **49%** हिस्सेदारी रह जायेगी। इस नियंत्रित हित को सुरक्षित करने के लिए सौदे में आरआईएल से एक महत्वपूर्ण नकद घटक शामिल होने की उम्मीद है। तत्काल पूंजी का पर्याप्त निवेश **1-1.5** बिलियन डॉलर के बीच होने का अनुमान है।*

सोनी-जी विलय की समय सीमा नजदीक आ रही है और यह इस बात पर अटका हुआ है कि नयी इकाई का नेतृत्व कौन करेगा। सोनी ने अपने भारत प्रमुख एनपी सिंह को विलय वाली इकाई का सीईओ बनाया है। सोनी चाहता है कि सिंह शीर्ष पर रहे और उसका कहना है कि बाजार नियामक सेबी ने अभी तक पुनीत गोयनका को क्लीन चिट नहीं दी है।

***2024** देखना दिलचस्प होगा और हम मीडिया परिदृश्य में कुछ नाटकीय बदलावों की उम्मीद कर सकते हैं।*

सभी पाठकों को क्रिसमस और नव वर्ष की शुभकामनायें।

(Manoj Kumar Madhavan)